

अनुलिपि ३२

मराठी

१६. ८. २

१९६१५ २३४

का०५

२-माली पाक

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ खुले.

— : ह

ग्रंथ संग्रह :—

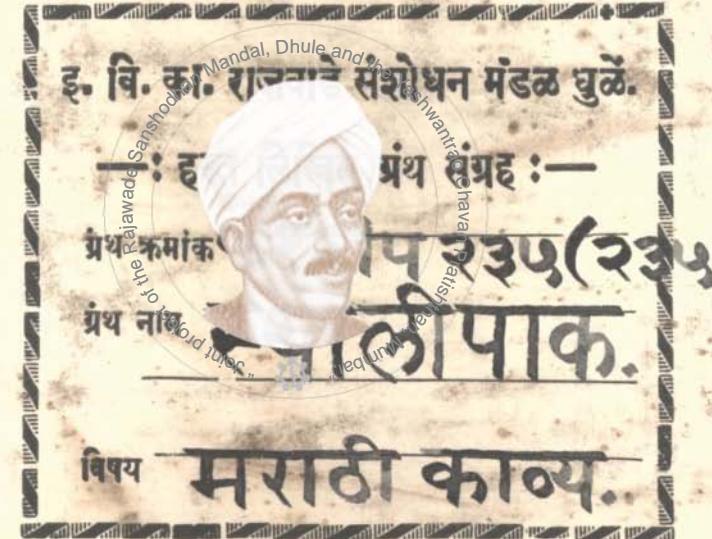
ग्रंथ क्रमांक

ग्रंथ नाम

पृ० २३५ (२३५)

माली पाक.

विषय मराठी काव्य.





।। असंगज निवारण
।। थालि पाक ॥

(1)

॥थालीपाक औकता ॥ हरिवारीजं
॥ नवेष्या ॥ १॥ दूरोधना चैघरासि ॥
॥ आलदुर्वासतौ रुषि ॥ २॥ सेवाध्
॥ मृतोष्ट्रीला ॥ वरसागेतोईछीला ॥
॥ ३॥ शीघ्यासहीत रात्रीजावे ॥ ईछात्रे
॥ जनमागावे ॥ ४॥ अंतरपाडोनीशा ॥
॥ पद्यावा ॥ हेनीमागणोभुदेवा ॥ ५॥
॥ बरेत्तणोनिर्द ॥ ६॥ शीघ्यासहि
॥ तवणालारे
॥ रजाला भौजे
॥ नवलसद्गति
॥ विजाले ॥ ७॥ ७॥ ८॥ ८॥
॥ मध्यरात्रीक्रूसासहित ॥ वणाजा
॥ लेजकस्मात ॥ ९॥ पंडुसुतजगेजा
॥ ले ॥ नषीसमरतवंदीले ॥ १०॥ मार्गी
॥ चालतातात उ ॥ सुधालागलीसे
॥ गटी ॥ ११॥ धर्मभीमाकडेपाहे ॥
॥ सर्वहानीहोतज्जहे ॥ १२॥ मगपा
॥ हेपांच्याकीसी ॥ जीच्याश्रीरंगपाठि



The image shows a portrait of a man, likely a saint or spiritual figure, positioned in the center of a page filled with handwritten Marathi text. The man has a shaved head, a tilak on his forehead, and is wearing a white turban and a white robe. He has a serene expression. The portrait is set against a background of handwritten text.

(2)

॥ सीमा ॥ ८ ॥ लूँ ०७ षीस्नाना धाउ ॥
॥ येता अन्न पात्री वाढा ॥ ८ ॥ श्वान
॥ मात्रे करो नीयतो ॥ येता भोजन बे
॥ सतो ॥ ७ ॥ द्रव्य यज्ञ पुजादी सु ॥ ज
॥ लीत्सणो तो दुर्वसा ॥ ८ ॥ देव पाव
॥ लेनो वर्णनी ॥ स्वप्नो ना मधाची जनी
॥ ९ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥
॥ हस्त पाद प्र
॥ वृद्धावनि ॥
॥ वा ॥ लूँ प्रथा
॥ पाहा तो रिक्ते
॥ उपाहे ॥ ३ ॥ लूँ षीस्नाना सिकों पि
॥ ४ ॥ गैले गोलो नीया स्पृह ॥ ४ ॥
॥ दीवसाक मर्च्या उगणा ॥ जालाया
॥ चानारायणा ॥ ५ ॥ आता येत नी
॥ सीध्य गति ॥ अन्न वाढी तया प्रती ॥
॥ ६ ॥ अन्न न है खता ऊँका ॥ भस्म
॥ करि तिस कळा ॥ ७ ॥ गेत्राधालो



Rajawade Gaveshan Mandal, Dhule and the
Yashwantrao Chavhan Publishing
Joint Project, Order Number:
1000

(3)

॥ निसंकटी ॥ त्राजरास्वीजगजेटी ॥
 ॥ ई ॥ दासनपाउ कोचनी ॥ स्मणेना
 ॥ मयाचीजनि ॥ ७ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥
 ॥ ताटवाटील कमीए ॥ देवबैसले
 ॥ जोजनि ॥ १ ॥ तीत क्या माजीजाक
 ॥ स्मात ॥ ४ वनीयातलीकाणात ॥ २ ॥
 ॥ उटलाखउलोभीकेसा ॥ धावेबहि
 ॥ पीचाकिरास ॥ तजिरंदावनि
 ॥ बाला ॥ युड ॥ साहुका ॥ ४ ॥
 ॥ मुगुटकुउले ॥ ला ॥ वैजयंती
 ॥ शोभेगला ॥ ५ ॥ वच्छक्षायुधे
 ॥ करी ॥ हीसेघवलपति हरी ॥ दृ ॥ झ
 ॥ लकेयीतावरकास ॥ नयनीप्रका
 ॥ श्रापकासे ॥ ७ ॥ पाहाताजानंदलि
 ॥ मनि ॥ स्मणेनामयाचीजनी ॥ ८ ॥
 ॥ ५ ॥ ६ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 ॥ वंदीसुष्ठा-च्याच्यरणा ॥ हर्षधा
 ॥ लिलोदागणा ॥ १ ॥ स्मणेतुचीमा
 ॥ इया मणा ॥ रवस्थकरीनारायण



Sanchohan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Library, Mumbai

(4)
॥ भाष्मा सीये तान धी ॥ भोजन
॥ घाला वेत यासी ॥ ३ ॥ वीत्तं घला
॥ मृताची येथ ॥ नस्मै करीती स
॥ वीते ॥ ४ ॥ लेकत हासेदव ॥ न
॥ दिसे प्रायी चीउ पाव ॥ ५ ॥ जान
॥ काळी कै चेअन्न ॥ वीचारी तादी
॥ सेवी छ ॥ ६ ॥ याचे ऊसो मलकै
॥ से ॥ काहिवा ॥ चासा स ७ ॥
॥ श्वसु ने ह' ॥ ८ ॥ लुधाला
॥ गली दहू ॥ ताटी वीरतारी
॥ तामेवा ॥ उर
॥ ९ ॥ नजो वीर ॥ वीकी लाधावा ॥
॥ लालु धाका त ॥ १० ॥ सत्वरमेव
॥ वीभोजनि ॥ नपोनाम याची ज
॥ नि ॥ ११ ॥ ११ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥
॥ हालु आलेद्रोपदि सी ॥ बापावन्य
॥ णपरिये सी ॥ १३ ॥ नषिधाडी लेस्ना
॥ णासी ॥ लुची भोजन माग सी ॥ १४ ॥
॥ सर्व ऊरी लुमजणा ॥ लुजसा



Rajewade Sain Shishir Mandal, Dhule and the Yashwantrao Devarao Patil Memorial Library, Mumbai

॥ ठीवाहुं कोणा ॥ ३ ॥ यकम्भावतु
 ॥ स्यापाई ॥ यावेगले काहिनाहु ॥
 ॥ अग्नि थालि माजी पाहे अन्न ॥ कंडि
 ॥ शुधच्च हरण ॥ ५ ॥ थालिदा रवरी
 ॥ देवासि ॥ कन्या विश्वास तुजसि ॥ ६ ॥
 ॥ धुडा छिता कद्दी बहुत ॥ कीचीत
 ॥ शाखा पत्रतेष्य ॥ ७ ॥ नीमी केव
 ॥ त्याचादानि ॥ गळामया विज
 ॥ नि ॥ ८ ॥ ५
 ॥ करपसरीट
 ॥ पदीहे उत्त
 ॥ बोल्ड्रोपर्य
 ॥ त्रुसीचाढे कर
 ॥ अपार ॥ ३ ॥ दावीकवतु कश्मीती
 ॥ पर्वत अन्नाचेदीसती ॥ ८ ॥ उल्ल
 ॥ घवघवितकेसि ॥ वाका धावत्या
 ॥ अकासि ॥ ५ ॥ नानापरिचेदीम्य
 ॥ अन्न ॥ उल्लादावीनारायण ॥ ६ ॥
 ॥ चोजसर्वाचीयेस नी ॥ स्त्रियोनामग
 ॥ चीजनी ॥ ७ ॥ ५ ॥ ७ ॥ ५

॥ स्मृणे तीमाथा असे तोउ ॥ अन्न
॥ मंसि तोउ दंड ॥ पाटे आमुचिल
॥ हन ॥ गोडधमाघि चिव अन्न ॥
॥ श ॥ उहरे सागरा च्याखे सि ॥ कर
॥ नियावे धमापा सि ॥ श्रुतु सीढ़ी
॥ पद्धि च्याहाता ॥ नियमकु यज
॥ लाता ॥ र्भवन कर वेनात का
॥ लक्ष्य बद्दाते ॥ १ ॥ ५ ॥ चंद्रि
॥ लागली से ॥ तोन सांझा का
॥ वेधो त्रा ॥ दे ते लावंडि भज
॥ नि ॥ स्मृणे ॥ चिजनि ॥ ६ ॥
॥ अंगुरा ध्यात्वा रुषि पंकी ॥ ठेकर
॥ आनंदा चे हति ॥ २ ॥ त्रुमि जाति
॥ सर्वाचि ॥ परिआवउ ॥ अन्तावी ॥
॥ श ॥ उठले हस्त प्रक्षाकु नि ॥ वीडिय
॥ तले सर्वानि ॥ ३ ॥ नबे सतासुखा
॥ सनि ॥ अवघे पहुउ ले शयनि ॥ ४ ॥



Joint Project of Shodhan Mandal, Dhule and the Rashivantao Chavhan Publishing Department Mumbai.



॥ त्यात है खोनि निदस्त ॥ स ॥ हेज
 ॥ निजा लिगुप ॥ ४ ॥ देवे मावा निर्मि
 ॥ लिकै सि ॥ आता गुयजा लहौ स
 ॥ ६ ॥ कोणानक क्लेशा चिकरणी ॥
 अस्त्रणो नामया विजेनि ॥ ५ ॥ ७ ॥
 ॥ अस्त्रणो यावारा भट्टेवा ॥ धर्मस्त्रणो जा
 ॥ वैभीमा ॥ चिगो चिगो व्युन ॥ न
 ॥ मिलेन घित ॥ ८ ॥ त्वराकरा
 ॥ विहोजाण
 ॥ न्ता ॥ ३ ॥ अप
 ॥ प्लोट जो हों ॥ ९ ॥ जाता
 ॥ अवस्थ हो प्रसादे ॥ त्रसजा लिस वि
 ॥ वदे ॥ ५ ॥ माहा नहु दुयोधिन ॥
 ॥ जाम्बायाट विदूर्जन ॥ द्वा कद्मीक
 ॥ दितो अंबरि सी ॥ चक्रलागलेपा
 ॥ दिसि ॥ ७ ॥ जे चिगो छिजा लिआ
 ॥ त्ता ॥ सिद्धपकारे त्वता ॥ ८ ॥ मा
 ॥ माजा सिवादधर्मा ॥ नियकत्या



"Portrait of Jayashankar Mandlik, Dhule and the Rashwantrao Chavhan
 Joint ruler of Chandrapur, Mumbar, and Nasik"

(85)
गणहोतुला ॥१९॥ लिखिनिघाले
॥ तेषुनि पत्नेण नमया चिजनि ॥
॥१९०॥ ३७॥ ४७॥

॥ अंगायरि पांडवात मबापरिद्वि
॥ दिनानाथ ॥११॥ श्रावक्यक्तजायुधे
॥ करि ॥ दीसेधवदवितहरि ॥१२॥

॥ हातटेउनि ॥ ॥ जालाजापसि
॥ वादहेत ॥ ॥ पुसोनिधर्म
॥ सिगाहेवर्गे ॥ कैसि ॥१३॥

॥ सरलाथा ॥ ॥ ५ जाता ॥ एठे
॥ सावधानश्राता ॥५॥ युदीलक
॥ धाहेगहपा ॥ धोषयात्रा निरो
॥ पूरा ॥६॥ येषुनिभायाकु
॥ सं ॥ जनिलेण जालारस ॥७॥

॥४॥ इति श्रीथालिपाकसंपुने
॥ मस्तु ॥ उमंग सरव्या ॥१९॥



Digitized by srujanika@gmail.com

अर्द्धमासिन्दुप्रदीपः ६७८ प्रभो विजयः
 अस्त्रप्रदीपस्त्रियोऽग्निः ३०८ गवाचमेष्टः
 अन्तर्घटेष्टुष्टु ॥ ११ ॥ नवांगमवाच
 प्रस्त्रभैरवार्थः ७२५, ७२६ इति
 इति ७२८
 कृष्णाधारः ८१८
 मोहितः ८१९
 अन्तर्घटेष्टुष्टु १३१
 अस्त्रप्रदीपस्त्रियोऽग्निः १३२
 अस्त्रप्रदीपस्त्रियोऽग्निः १३३
 अस्त्रप्रदीपस्त्रियोऽग्निः १३४



"Joint Project of the
 Sashodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan
 Patilsheth Mumbai"

A circular portrait of a man with a mustache and a white turban, looking slightly to the right. The portrait is set against a yellow background and is enclosed within a circular frame. The frame contains handwritten text in black ink, which appears to be a title or a dedication. The text is partially obscured by the circular border, but some parts are legible.

चातुर्विषये च अस्याद्यात्म
द्वयः ग्राहादेव एवाक्षात्मनः पूर्ण
प्राप्तुम् ग्राह्याः पूर्णान्तर्मात्र
प्राप्तानि साधेदेव मात्रामात्रात्
प्राप्तानि विषये च अस्याद्यात्म
द्वयः तोषान् पूर्णः पूर्णात्
शास्त्रात् इति शास्त्रात्
प्राप्तानि विषये च अस्याद्यात्म
द्वयः तोषान् पूर्णः पूर्णात्
शास्त्रात् इति शास्त्रात्
प्राप्तानि विषये च अस्याद्यात्म
द्वयः तोषान् पूर्णः पूर्णात्
शास्त्रात् इति शास्त्रात्

(11)

॥४८॥

॥ याचेक्षु तीचा वेनु को नी चागे ॥
॥ आद्या माई भीकरी तजो तीय ॥
॥ शवेनु वाउनी तो नहा चीय ॥
॥ न हो सु दात तीतो याचे मुरले ॥
॥ चम्यनोह ॥ ग्रहामाई
॥ भीरोसु र ॥ गारी जो वा ॥
॥ नहा गाई लालो परी यो ये ॥
॥ मुरलो नेटक लीला नारी नहा ॥
॥ ११२ ॥ रा नेवल कुमारा इक यत ॥
॥ वेरो च रीरा रुखा लंगा मारा ॥
॥ थाये मुरलो तुझी व पाखास वारा वरा ॥
॥ ये घटा तीक ॥



"१ नुं जहय हवी भग्ना काटे ना हउय
११ कृष्णीया मनी का महटे मध्यना थाए
१२ मनी मुक्ती उटे १२ उटे : ॥१२॥

१ गुरुत्रता भीनं । १० वरोभार्यीः राम
११ वीकापद्मुद्दल । ११ हीक्ष्य ॥ जागत
१२ राम सोवत । १२ पनेहु छुरामह
१३ रामः ॥ ११ ॥ १३ ल सातर रामें
१४ तहु छुते रामहाता ॥ १४ ॥ येफ
१५ जनार डुरुनु नामहरी फोडीतहु
१६ छुउते हामसरीजो ॥ १३ ॥ गुरुत्रता ॥
१७ नंपायो नेशेभार्यीरामभीना पद्मुजाह
१८ जोनाहीः ॥ १४



Joint Project of
Rajawade Sahodaran Mandal, Dhule and the
Yashwantrao Chhatrapati
Shahu Library, Mumbai
Digitized by
Sahodaran Mandal

—४०—

॥ अनी गोठन के जगना हु फोनाये
 ॥ नी परकर नाथी गानः घले की हे को
 ॥ जना: अच हु परकर नी: स नाथ व्य
 ॥ कर वद्य करी: जन्यवरकरी नान
 ॥ ने सोः की हे घव्य प्रवरवशेः घण्य
 ॥ अक्षजा के जपा ताहि बी हिराः जहे
 ॥ नी हेबा या
 ॥ नवजा: २५

राम उकरी तासे

॥ मजस्तरपदः ॥ १०: आताकरसकर
 ॥ चरी: बपाका विकपानकरः स्त्रीबरा
 ॥ रजा का सोना तरा: फट्टर सोरावरा
 ॥ डाता: नवरवज अची क्रुक्रुलगवः जेठ
 ॥ छेन की हुक्कुपः नलालार त्रिव
 ॥ कुम्हारः ॥ ११: पुउक्किपो स्त्रीवापो ली
 ॥ की गारभाका कुम्हाली: ह्येण्ठेव
 ॥ रवलापासा: व्याभार ना देवराया:
 ॥ झना घन गंक गायः क्रम दिलाशागव



Joint Prize of the Rajawade Samruddhan Mandal, Dhule and the Veerwaridao Chavan Patilis Mumbai, Mumbai Number

(14)
॥१७॥ नामा संयोगायापि फरः अवघान्त्वा
प्रिया कीधारः उमा दूल्हा देखते फलसंभजन
॥ फररा दण्डो दण्डः आ।

सागुदाम्बिकाप्रियालिः प्रथम
द्वयारात्रयोऽप्यत्तमाः ५।१०८।७
राजवंशः ८।८८।८
चतुर्विंशतिः ८।८९।८
द्वामध्येः अमृताम् ८।९०।८
क्षमाप्तिर्थास्त्वं ८।९१।८
चामाचार्यमवनेद्वाः ८।९२।८
चालाचार्यमवनेद्वाः ८।९३।८
पाठ्याम्बाचार्यमवनेद्वाः ८।९४।८

Joint Project of the Rajawade Sanskrut Mandal, Dhule and the Venkavantrao Chavhan Prasikshan Mandal, Mumbai.

(15)

ઘોરાંદ્રા॥ રિલા મનુષે કર

અણું પારવાયનાનાઃ
બેંગ ભરાય વાયનાનાના

એડમાનાનાં રોધી માનાનાં

ઘાડમાં ૩૦

કાદર એદી

રાખાં ગાંધી

ઘડપાં જાંદાં મનુષાં નાં

ચેદાં ઉંબોદું આંગાં ગાંદીઃ

રામસાં રોધું નાં

ઝડપ સમજાનાઃ રોધું





(16)

(१२)

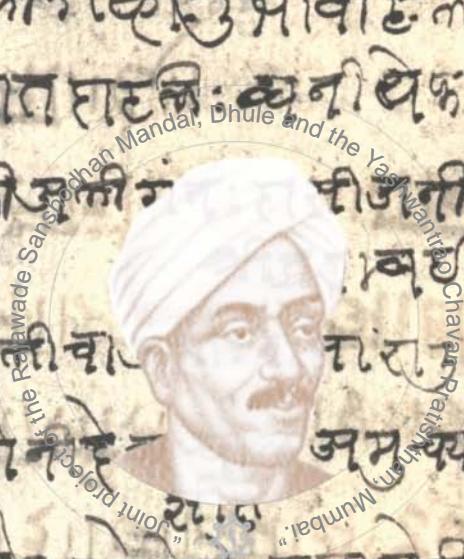
॥ श्रीरामचंद्रसमधी ।

॥ श्रीरामदासीआङ्ग ॥ पुर्वीपाठाप्रीकोण ॥
 ॥ धुमिकापदाभापण ॥ १ ॥ स्थिरवापु
 ॥ लागुगव ॥ जाणतोअनुशव ॥ २ ॥ द्वा
 ॥ एकर्मजाचरत्रोक्तेसासंसारासी
 ॥ आङ्ग ॥ ३ ॥ २
 ॥ देवतयासी ॥ ४ ॥ लालिवाट
 ॥ तेववना ॥ आधीष्टान ॥ ५ ॥
 ॥ रामहास्याचीउपता ॥ गावनाहिवे
 ॥ चीसीमा ॥ ६ ॥ १



"Joint Project of the
 Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the
 Nashwantrao Chavhan
 Sanskriti Sansthan Mumbai"

॥१॥ श्रीरामसुभवं प्रहुर्येषु फरावं गेलीः के
 ॥२॥ रीकी दलाच्ची जुलीः ॥ नात् हेने जनी॥
 ॥३॥ तीः बारी उभा कोन जहुः ॥ ४॥ पहुक्कये
 ॥५॥ फाकी ली गच्छ उभावी छक्क साव क्काः ॥
 ॥६॥ प्रभा भुज रात घटलः व्यनी थेक सरेउ ही॥
 ॥७॥ येकाये की जुली ग
 ॥८॥ सन्ती पाली चा
 ॥९॥ ठुली धरे नहे -
 ॥१०॥ गुना ईजे उठने कलः हमारे ही गनी धाने
 ॥११॥ पहुं जो इच्छा फाढीलाः बाकूनं तच्चापुस्ती
 लाः अजाकरे नीजर तीचक्क सानी वक्क
 ॥१२॥ लीतीः ॥ १३॥ हेवडु नीबये संलः हारी जि
 नी ईजे हीलः ॥ १४॥ धाती तीपावलानी रंवानी



श्री उग्नीष्मने द्यवानं
 ब्रह्म

"Joint Project of the Relawade Sansodhan Mandal, Dhule and the Yerwad Chavadi Sanskrutikosh, Mumbai."



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com